प्रतिवेदन 2023–24
महिला प्रकोष्ठ

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में विभिन्न संकायों में कुल लगभग 3500 छात्राऐं अध्ययनरत हैं। महिला अधिकारी एवं कर्मचारियों की संख्या कुल 32 है। महाविद्यालय में सामजस्यपूर्ण वातावरण बनाए रखने हेतु महिला प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। यह प्रकोष्ठ कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के अनुसार शिकायत समिति के रूप में कार्य करता है। संस्थान अपने छात्रों/कर्मचारियों के लिए बेहतर शिक्षा और काम के माहौल को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। लैंगिक भेदभाव और अनुचित आचरण को रोकना महिला प्रकोष्ठ का उद्देश्य है।

महिलाओं में उद्यमिता जागरूकता हेतु महाविद्यालय में तीन दिन की कार्यशाला आयोजित की गई।

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम–महिला प्रकोष्ठ द्वारा छात्राओं के लिए "सेनिटाईजेशन और हार्मीनल चेंज" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया। मुख्य वक्ता डॉ.सुरभि मोहबे स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. कुमुद मोहबे मेमोरियल हॉसपिटल राजनांदगांव थी।

मेहंदी प्रतियोगिता :–

महाविद्यालय में छात्राओं के लिए तीज महोत्सव के अवसर पर यह प्रतियोगिता आयोजित की गई। कुल 23 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इससे छात्राओं में त्यौंहार के अवसर पर इसे व्यवसाय के रूप में अपनाने की प्रेरणा प्राप्त हुई छात्राओं के कुल 4710 रूपये अर्जित किये। स्वास्थ्य जागरूकता हेतु हेल्थ चेकअप कैम्प – का आयोजन किया गया, जिसमें श्री राम मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल रायपुर से डॉ. अर्पिता नामदेव द्वारा Health and Hygiene पर व्याख्यान दिया गया। साथ ही स्वास्थ्य परिक्षण छात्राओं और कर्मचारियों का किया गया। शिविर में स्वास्थ्य जाँच, शुगर, स्त्री रोग सम्बन्धी परीक्षण किया गया। इसमें डॉ.अर्पिता नामदेव, डॉ. अरूण कसारी उपस्थित रहे।

वीर बाल दिवस :–

महाविद्यालय में वीर बाल दिवस का आयोजन महिला प्रकोष्ठ तथा NCC के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इस अवसर पर NCC के सहायक प्राध्यापक हिरेन्द्र बहादुर ठाकुर द्वारा बाबा जोराबर सिंह तथा लावा फतेह सिंह जी की शहादत स संबंधित तात्कालिन घटनाओं का प्रस्तुतीकरण दिया गया।

राष्ट्रीय बालिका दिवस :–

महिला प्रकोष्ठ द्वारा बालिका दिवस पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका विषय था Empowering Girls for a Brighter Tomorrow" इस कार्यशाला में नीरज पब्लिक स्कूल की प्राचार्य भारती नोटे, एच आर मैनेजर ABIS राजनांदगांव की संगीता संस्कार तथा कुमुद मेमोरियल हॉस्पीटल से डॉ.सुरभि महोबे उपस्थित रही।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ :–

जिंदगी को जिंदगी से जोड़ते जाओ, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ - डॉ. के. एल. टाडेकर

दिग्विजय स्वशासी महाविद्यालय में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर कार्यशाला का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय दिग्विजय स्वशासी महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ.के.एल.टांडेकर के मार्गदर्शन में दिनांक 2 फरवरी 2024 दिन शुक्रवार को महिला बाल विकास समिति राजनांदगांव, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं महिला सेल, दिग्विजय महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी कुमारी रीना ठाकुर, परियोजना अधिकारी, चंद्र किशोर लाडे, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, कृष्णा देवांगन, संरक्षण अधिकारी, कुमारी दिव्या तिवारी, कुमारी विद्या मिश्रा एवं डॉक्टर मोनिका मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम की रूपरेखा प्राचार्य डॉ.के. एल.टांडेकर के निर्देशन में आईक्यूएसी समन्वयक डॉ.अनिता साहा एवं महिला सेल की समन्वयक डॉ.मीना प्रसाद के द्वारा तैयार की गई। कु. रीना ठाकुर ने कार्यशाला के उद्देश्य एवं पृष्ठभूमि, महिला एवं बाल विकास से जुड़ी योजनाओं के उद्देश्य एवं उन्हें प्रारंभ करने का कारण, भ्रूण हत्या, लिंग निर्धारण एवं प्रशिक्षण, संविधान में समानता का अधिकार, जागरूकता, लिंगानुपात, आंगनबाड़ी सुविधा, मातृ वंदन योजना, घरेलू हिंसा, इत्यादि विषयों पर छात्राओं से चर्चा की। चंद्र किशोर लाड़े ने मूलभूत अधिकार जैसे जीने का अधिकार विकास का अधिकार संरक्षण का अधिकार एवं सहभागिता का अधिकार पोषण बाल श्रम तथा किशोर न्याय अधिनियम 2000 एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम पोक्सो एक्ट 2012 चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 का उपयोग दत्तक ग्रहण बाल अपराध किशोर न्यायालय बाल संप्रेषण गृह इत्यादि पर विस्तार से चर्चा की। कृष्ण देवांगन जानकारी दी की पिछले 6 वर्षों में छत्तीसगढ़ नेपाल विवाह के मामले महिला एवं बाल विकास भाग के प्रयासों से छह प्रसंग घटे हैं। राजनांदगांव एवं बालों जाने में बाल विवाह का प्रतिशत सबसे कम तीन प्रतिशत है तथा सबसे ज्यादा पसंद बंगाल में 42: है। उन्होंने बताया कि बाल विवाह होने के प्रमुख कारण गरीबी, लिंग भेद, परंपरा और संस्कृति, अपर्याप्त कानून जागरूकता, सुरक्षा और शिक्षा, दहेज एवं सामाजिक दबाव इत्यादि हैं। तथा बाल विवाह के दुष्प्रभाव बाल अधिकार से वंचित होना, शिक्षा से वंचित होना, शारीरिक एवं मानसिक विकास पर प्रभाव, कुपोषित शिशु को जन्म देना इत्यादि है। उन्होंने बाल विवाह प्रतिशोध अधिनियम 2006 को भी विस्तार से बताया। कुमारी दिव्या तिवारी ने मोबाइल के उपयोग से होने वाली समस्याएं एवं इससे बचने के उपायों के संबंध में चर्चा की। डॉ.मोनिका ने कन्याओं को मासिक धर्म की समस्याओं के संबंध में जानकारी दी। कुमारी विद्या मिश्रा ने महिलाओं के कानूनी अधिकार, आईपीसी की धारा 498 क, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005 इत्यादि के विस्तार से जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के पूर्व बेटी बचाओ बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर महाविद्यालय की छात्राओं की एक भाषण एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। भाषण प्रतियोगिता के विजेता प्रथम कुमारी भानु उनके द्वितीय कुमारी खुशी तिवारी तथा तृतीय कुमारी भी वैष्णवी भीमते रहे। रंगोली प्रतियोगिता के विजेता नेहा शुक्ला प्रथम तनु साहू द्वितीय तथा साक्षी सिन्हा एवं चित्रलेखा साहू तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के महिला सेल की सदस्य एवं प्राध्यापक डॉ.अंजलि मोहन कोडोपी, डॉ.कविता साकुरे, डॉ.किरण जैन, डॉ.आराधना गोस्वामी, प्रो. ललिता साहू तथा आईक्यूएसी सेल के सदस्य डॉ.डाकेश्वर वर्मा, श्री भाटिया, चिरंजीव पाण्डेय का विशेष योगदान रहा।

अभियान के तहत् एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन महिला प्रकोष्ठ द्वारा किया गया। जिसमें कु. टीना ठाकुर परियोजना अधिकारी, राजनांदगांव, बाल अधिकार एवं बालकों के संरक्षण तथा पुनर्वास – श्री चन्द्र किशोर लाड़े, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, बाल विवाह रोकथाम पर श्री किशन देवांगन संरक्षण अधिकारी मोबाइल के दुरूपयोग से बचाव पर कु. दिव्या तिवारी, महिलाओं के संरक्षण हेतु कानुनी प्रावधान पर कु. विद्या मिश्रा, मासिक धर्म एवं स्वच्छता पर डॉ. मोनिका द्वारा व्याख्यान दिया गया।

आनंद मेला :–

आनंद मेला – महिला प्रकोष्ठ द्वारा छात्रों में आत्मनिर्भरता एवं स्वरोजगार हेतु आनंद मेला का अयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं द्वारा कुल 35 स्टाल लगाए गए। 35 स्टालो में कुल 38,389 रू. लागत लगाने के पश्चात् छात्रो ने 65,890 रू. अर्जित किया।

अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस :–

महिला सशक्तिकरण में पुरुष का योगदान अपेक्षित– पद्मश्री फुलबासन

राजनांदगांव (पहट)। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव के प्राचार्य डॉ. के एल टांडेकर के मार्गदर्शन तथा महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ मीना प्रसाद, आईक्यूएसी समन्वय डॉ अनीता साहा, समाज कार्य विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती ललिता साहू तथा एनएसएस प्रभारी श्रीमती करुणा रावटे के निर्देशन में महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला माह में दिनांक 15 मार्च 2024 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आईएएस सुरुचि सिंह सीईओ जिला पंचायत, राजनांदगांव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री श्रीमती फुलबासन देवी यादव उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में एकेडमिक, चिकित्सा, प्रशासन, समाज सेवा आदि विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रित किए गए, जिनमें डॉ. हेमलता महोबे, पूर्व प्राचार्य, दिग्विजय महाविद्यालय, श्रीमती श्यामा टांडेकर वरिष्ठ समाजसेविका, श्रीमती मलय जैन, फाउंडर, एक कदम सामाजिक संस्था, डॉ रचना पांडे, प्राचार्य, कानफ्लुएंस कॉलेज ऑफ़ हायर एजूकेशन, परींकला, राजनंदगांव, डॉ अनुराधा शुक्ला, प्राचार्य, रॉयल कॉलेज, लालबाग, राजनांदगांव। डॉ इंदु पदमे, एसोसिएट प्रोफेसर, कम्युनिटी मेडिसिन, मेडिकल कॉलेज पेंड्री उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ मीना प्रसाद ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह जानकारी दी की अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सन् 1975 से मान्यता प्राप्त है तथा यह विभिन्न क्षेत्रों जैसे राजनीतिक सामाजिक एवं शैक्षणिक इत्यादि क्षेत्रों में महिलाओं के योगदान का सम्मान करने हेतु मनाया जाता है एवं 8 मार्च को तारीख रूस ने तय की तथा 1996 से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस संपूर्ण विश्व मना रहा है।प्राचार्य डॉ. के एल टांडेकर ने समस्त अतिथियों का स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया एवं अपने उद्बोधन में उन्होंने समाज में महिला की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए यह कहा कि नारी को सक्षम, एवं सशक्त होना आवश्यक है, यदि हम अपने समाज एवं देश को प्रगति के रास्ते पर आगे बढ़ना चाहते हैं।

15 मार्च को महाविद्यालय में अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में IAS सुरूचि सिंह सी.ई.ओ. जिला पंचायत, राजनांदगांव, विशिष्ट अतिथि के रूप में पदम श्री श्रीमती फुलबासन यादव जी, डॉ. हेमलता महोबे शिक्षाविद समाज सेवी श्रीमती मलय जैन, फाउंडर एक कदम सामाजिक संस्था डॉ. रचना पांडे, प्राचार्य कानफ्युलेन्स कॉलेज डॉ.अनुराधा शुक्ला प्राचार्य रॉयल कॉलेज लालबाग, को इंदु पदम मेडिकल कॉलेज पेन्ड्री उपस्थित थे।

क्राफ्ट प्रदर्शनी :–

महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ द्वारा क्राफ्ट तथा हर्बल सामग्री की प्रदर्शिनी का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों को हर्बल सामग्री निर्मित करने तथा वेस्ट सामान से क्राफ्ट की वस्तुओं को बनाने हेतु जानकारी दी गई।

पर्यावरण जागरूकता

पर्यावरर्ण जागरूकता हेतु महिला प्रकोष्ठ द्वारा कन्या छात्रावास में महाविद्यालय की महिला प्राध्यापकों द्वारा गमले में पौधा लगा कर छात्रावास को प्रदान किया गया, जिससे छात्राओं में पौधा लगाने हेतु उत्सुकता बढ़े।

हमारे सपनों का छत्तीसगढ़ :–

हमारे सपनों का छत्तीसगढ़ विषय पर राजनांदगांव नगर निगम की महापौर श्रीमती हेमा देशमुख ने महिला सशक्तिकरण एवं स्वरोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत् विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर छात्राओं ने उन्हे सुझाव भी दिये।